



# तीन सड़क हादसों में तीन की मौत, पांच लोग घायल

कोटी/विवेदींगंज/निन्दूरा, बाराबकी



**अमृत विचार :** अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए तीन भीषण सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। केवल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसों की खबर घर पहुंचते ही परिजनों में रोना पिटना मच गया।

कोटी थाना क्षेत्र के हैरगढ़-बाराबंकी मार्ग स्थित सादुल्लापुर गांव के पास शुक्रवार मध्याह्नात्र बारात से लौट रही कार अनियंत्रित होकर सामने से आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉनी में जा घुसी। हादसे में गंगापुर संसार निवासी श्रीराम शर्मा (45) की मौके पर ही मौत हो गई। कार में उड़े निजी अस्पताल ले गए, जहां सहित दो अन्य रिस्टेंटर गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस पर इस्पेक्टर अमित



सिंह भद्रौपिया मौके पर पहुंचे और घायलों को सीएसी कोठी के बाद जिला अस्पताल रेफर कराया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉनी को कट्टे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बहुपुर थाना क्षेत्र में वैवाहिक कायरियम से लौट रहे रामलाल पाल (45) निवासी अमृतपुर देर रात मौलावाद गांव के पास मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होने से गहरी खाड़ी में पिंग गए। छोटे भाई ईश्वरदीन सहित उनके अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शब्द को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोकेनकटा थाना

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्धी की मौत, हत्या का आरोप

**प्रतापगढ़, अमृत विचार :** लीलापुर थाना के सिंधौर गांव के नवतरावा में शुक्रवार की रात 97 वर्षीय शहीदबीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मृतक के दामाद एजाज खान ने सुसुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तरीर दी।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता को खेलते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे के बाद वान चालक फरार हो गया। पुलिस ने वान चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पहला वान जांच शुरू कर दी है। बहुपुर थाना क्षेत्र में वैवाहिक कायरियम से लौट रहे रामलाल पाल (45)

निवासी अमृतपुर देर रात मौलावाद गांव के पास मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होने से गहरी खाड़ी में पिंग गए।

छोटे भाई ईश्वरदीन उड़े निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शब्द को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लोकेनकटा थाना

## अज्ञातवाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

संवाददाता, कुंडा (प्रतापगढ़)। अमृत विचार : मध्येशांग ज्ञान क्षेत्र के ग्रामगढ़ गांव निवासी 55 वर्षीय हरिश्चन्द्र गोम शुक्रवार की देव रात मध्येशांग बाजार से गंगा घोस्तोस वे की सर्विस रोड से साइकिल से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मेन सड़क पर पहुंचे, तेज रस्तार अज्ञात वहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। इससे हरिश्चन्द्र

गंभीर रूप से घायल हो गया। असापस के तोगे ने उसे एप्सी भेजा। लेकिन प्राप्तिक उपचार के बाद भी उसकी हालत गंभीर बनी रहने पर डॉक्टर ने स्सपरामी नेहरू अस्पताल प्रयागराज रफ़ा कर दिया। परिजन जैसे ही घायल हरिश्चन्द्र को इलाज की प्रयागराज को ले जाने लगे, बीरिंगपुर के पास ही उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर

मिलते ही परिजनों में होराम मच गया। मृतक की देवी शिवानी ने शनिवार की सुबह पुलिस को अज्ञात वहन घालक के खिलाफ तरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर शब का पंचनामा कर पोस्ट मार्टम को भेजा। मृतक के छह बेटियां हैं। जिसमें पांच की जांच हो चुकी है। एक बेटी की शादी नहीं हुई। पिंड की भूमि से सभी सदमों में है।

## चलती ट्रेन पर चढ़ा युवक, 40 मिनट तक जाम रहा ट्रैक

संवाददाता, प्रतापगढ़



अमृत विचार : मां बेला देवी थाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन के कीरी बरेनिवार शाम कीरीब साड़े चार बजे एक युवक चलती ट्रेन पर चढ़कर हाई वॉलेट ड्राइव करने लगा। इस घटना से रेल महकने में हड्डी कंप मच गया। हालांकि कोई अनहोनी नहीं हुई। युवक को सुक्षम बचा लिया गया।

बताया गया कि संत कबीर नगर निवासी मोहम्मद अनस नामक युवक काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के डिक्के के लेख्याल संदीप श्रीवास्तव ने क्षति अपर जाबा की सचन्न की पहुंचे तक अपकलन किया। बताया कि उपर जाबा के बाद वह नीचे उतरने से युवक की जांच रद्द हो गई। करीब 40 मिनट तक रेलवे ट्रैक पर घूमते हुए एक ट्रैक रूम ने तुरंत ओवररैट लाइन की बिंबली आपूर्ति बंद कर दी। इससे

### • विद्युत आपूर्ति रोक कर रेलवे ने बचायी युवक की जान

मार्ग की कई ट्रैनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। इस घटना से आसपास के रेलवे फारक पर लंबा जाम लग गया। मौके पर पहुंच कर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने युवक को नीचे उतरने के लिए मनाने का प्रयास किया। बावजूद इसके बह नीचे उतरने को तैयार नहीं हुआ। युवक ने नीचे उतारने के दौरान पुलिसकर्मियों से धब्बा लगाया है। कोई मार्गिकरण नहीं हुआ।

सुरक्षित नीचे उतारने लिया गया।

पुलिस ने युवक को हिरास तेरने से घबराया।

पूर्णांग शुरू कर दी है। इस घटना के कारण यात्रियों और स्थानीय लोगों की काफी झींड जुटी रही।

ट्रैक रूम ने तुरंत ओवररैट लाइन

की बिंबली आपूर्ति बंद कर दी। इससे

ट्रैक रूम से वाराणसी - लखनऊ

संभावित हादसा टल गया और युवक

की जांच रद्द हो गई।

करीब 40 मिनट

तक रेलवे ट्रैक पर अफरा-तकरी ही।

युवक को सुक्षम बचा लिया गया।

















तस्यौ फिरी पर दिल  
न किरेया  
लैनी की तस्यौ हाथ  
फैर के

बाहु बुलेश्वर कहते हैं, तुम तस्यौ हायानी माला के  
इर्द-गिर्द गए, लेकिन अपने दिल में कभी नहीं गए।  
जपें वाली तस्यौ को हाथ में रखकर फिर तुम्हें वर्या  
हासिल हुआ।

## बाबा साहब आंबेडकर और आर्य आक्रमण का झूट

संप्रति राष्ट्र डॉ. आंबेडकर का परिनिवारण दिवस मना रहा है। उनके विचार और दर्शन पर तमाम आयोजन हो रहे हैं। डॉ. बीआर आंबेडकर वास्तव में भारत रत्न है। प्रख्यात मनीषी, संविधान सर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिर्माता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे और अजर-अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके विचार आधुनिक राजनीति को भी तातार अप्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधुनिक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान हैं। प्रेरक राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आंबेडकर अपने समकालीन विद्वानों, जगन्मताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपुरित थे।

वे भारतीय समाज संरचना के तर्कनिष्ठ आलोचक थे। उन्होंने ऋत्रेद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगाय पढ़ा। उपनिषद् पूरा और स्मृति प्रंथ भी उनके शिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी विषय रहे। उन्होंने राजनीति को भी तातार अध्ययन किया। शूद्रों को अलग नस्ल बताने वाली नेतागिरी का प्रतिकार किया। मार्कर्वावद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतर से दिलतों के लिए अनुपयोगी बताया। उन्होंने बुद्धचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धान्त' का प्रतिकार किया।

राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बताया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विद्युत हमलाबाद और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर ने लिखा, 'यह धरण गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बताया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विद्युत हमलाबाद और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. आंबेडकर अपने एक विद्वान

डॉ. आंबेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋत्रेद के तमाम उद्धरण दिए और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के थी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रुक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रुक्षती गौर वर्ण है।' डॉ. आंबेडकर की स्थापना है, 'इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कण्ठ भी श्याम वर्ण के थे।'

अधिकवक्ता की तरह पहले पाश्चात्य विद्वानों के विचार का प्राचीन तत्व बताया है। उन्होंने ऋत्रेद सहित संपूर्ण प्राचीन भारतीय वांगाय पढ़ा। उपनिषद् पूरा और स्मृति प्रंथ भी उनके शिय विषय रहे। उन्होंने राजनीति को भी तातार अध्ययन किया। शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी दिये हैं। उन स्थापनाओं को तर्क सहित गलत बताया है। गलत बताया। उन्होंने ऋत्रेद के तमाम उद्धरण दिए और उन्होंने ऐसे विद्वानों की 7 मूल स्थापनाएं बनाईं- 1. लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के थी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रुक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रुक्षती गौर वर्ण है।' 2. आर्य नस्ल बाहर से आई थी और उसने भारत पर आक्रमण किया था। 3. भारत के निवासी दास और दस्यु वर्ष में जाने जाते थे और ये आर्यों से नस्ल के विचार से भिन्न थे। 4. आर्य श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 5. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 15. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं है। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 15. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं है। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 15. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं है। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 15. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

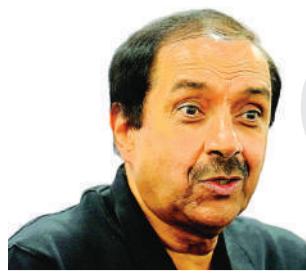
इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं है। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के थे, दास और दस्यु काली नस्ल के थे। 15. आर्यों ने दासों और दस्युओं पर विजय प्राप्त किया। 6. दास और दस्यु विजित होने के बाद दास बना लिए था और शूद्र कहलाए। 7. आर्यों में रंगभेद की भावना थी, इसलिए उन्होंने चातुर्व्युत्त्र का निर्माण किया।

इसके द्वारा उन्होंने श्वेत नस्ल को काली नस्ल से, यथा दासों और दस्युओं से अलग किया। (वर्षी, खंड 7, पृष्ठ 65) इसके बाद सातों मूल स्थापनाओं ने जोर दिया था। 27 जनवरी 1910 को उन्होंने सरकार के सामने एक आवेदन प्रस्तुत किया था। उनका दावा था कि देश की राजनीतिक संस्थाओं में प्रयोग देखने से निष्कर्ष यह निकलता है कि ये शब्द उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात सभी दिव्युओं की संख्या में अधिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं है। ऋत्रेद के एक ऋषि दीर्घ तमस् हैं, वे श्याम वर्ण के और कवाची भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवृत्ती प्रश्नों पर श्वेत नस्ल के









‘ सीनियर हॉकी विश्व कप के लिए कई पहलुओं पर विवर करना होगा। हम अभी टीमों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार नहीं हैं, ताकि शीर्ष देश विसेस भी प्रोलॉग में खेल रहे हैं।’  
—तैयब इकबाल,  
अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ के अध्यक्ष

## हाईलाइट

## मंधाना सोशल मीडिया पर वापस लौटी

नई दिल्ली: भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान मृति मंधाना अपनी शादी टलने के लगभग दो हफ्ते बाद करियर और क्रिकेट सफर पर फोकस करते हुए सोशल मीडिया

मंधाना ने सोशल मीडिया में इंस्ट्राग्राम पर से क्रिया हो गई है। सिंगर-कंपोजर पारिश मुख्य के साथ उनकी शादी 23 नवंबर को होने वाली थी। उनके पिता की अंचनक तबीयत खत्म होने के कारण इसे टाल दिया गया है। मंधाना ने सोशल मीडिया में इंस्ट्राग्राम पर एक पेड पार्टनरशिप टीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने क्रिकेट सफर और करियर के बारे में बात की। शादी कैंसिल होने के बाद यह उनकी पहली पब्लिक अपीरेंस है। फैस ने तुरंत कमेंट्स में सोपांट और खुशी के मैसेज भेजे।

## प्रो क्रुश्ती लीग 15 जनवरी से होगी

नई दिल्ली: प्रो क्रुश्ती लीग (पीडब्ल्यूएल) अगले साल 15 जनवरी से शुरू होगी और एक फॉर्मी तक चलेगी। इनके सभी मैच नोएडा इंडिया स्टेडियम में होंगे। भारतीय क्रुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने शनिवार को यह घोषणा की। आयोजकों ने पहले घोषणा की थी कि लीग के लिए दिल्ली एकमात्र स्थान होगा। इस लीग को कोविड-19 महामारी के कारण चार सालों के बाद निलंबित कर दिया गया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह के अनुसार 20 से अधिक दोसों के 300 से अधिक पहलवानों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। इन खिलाड़ियों में ऑलिंपिक पदक विजेता, विश्व चैंपियनशिप के फाइनलिस्ट और भारत के शीर्ष पहलवान शामिल हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी छह टीमों में चार महिला पहलवानों सहित नौ पहलवान शामिल होंगे।



यशस्वी जयसवाल।

## भारत ने दक्षिण अफ्रीका से हिसाब किया बराबर

वनडे सीरीज 2-1 से जीती, कुलदीप, कृष्णा व जायसवाल का शानदार प्रदर्शन

विश्वाखापत्तनम्, एजेंसी

कुलदीप यादव और प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जयसवाल (नाबाद 116) की शतकीय पारी के बूते भारतीय टीम ने तीसरे और निर्णायक वनडे में शनिवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 61 गेंद शेष रहते नौ विकेट से हराकर श्रूत्याला 2-1 से जीत ली। कुलदीप (10 ओवर में 41 रन) और कृष्णा (9.5 ओवर में 66 रन) ने चार-चार विकेट लिए।

जिससे विवेटन डिकॉक (106) की शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टीम 47.5 ओवर में 270 रन पर आउट हो गई। भारत ने 39.5 ओवर में एक विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस तरह उसने टेस्ट श्रूत्याला में मिली 0-2 की हार की निराशा को कुछ हड तक कम किया। दोनों टीमें अब नौ दिसंबर से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी 20 अंतर्राष्ट्रीय श्रूत्याला में खेलींगी।

जयसवाल ने अपनी नाबाद शतकीय पारी के दौरान 121 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाने के अलावा रोहित शर्मा (75) के साथ पहले विकेट के लिए 155 और विवर कोहली (नाबाद 65) के साथ दूसरे विकेट के लिए 116 रन की अटूट साझेदारी कर टीम की जीत पक्की की। रोहित ने 73 गेंद की पारी में सात चौके और तीन छक्के जड़े जिसमें लुंगी-एनगाडी के खिलाफ पुल शॉट पर लगाया छक्का दिलकश था।

कोहली ने भी शानदार लय जारी रखते हुए 45 गेंद की नाबाद पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए एकमात्र

सफलता केशव महाराज (40 ओवर में 44 रन को मिली। डिकॉक ने 89 गेंद की पारी में आठ चौके और छह छक्के की मदद से 106 रन बनाने के अलावा कप्तान तेम्बा बावुमा (48) के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 और मैथू ब्रीटजके

दक्षिण अफ्रीका

270/10 (47.5 ओवर)

■ विवेटन डिकॉक वो कृष्णा 106  
■ रिकलटन का राहुल बो अंशदीप 00  
■ तेवा बावुमा का कोहली बो जडेजा 48  
■ मैथू ब्रीटजके पाबाद कृष्णा 24  
■ मार्कर का कोहली बो कृष्णा 01  
■ ब्रैविस का रोहित बो कुलदीप 29  
■ यानसेन का जडेजा बो कुलदीप 17  
■ कोविंग बोश का एवं बो कुलदीप 09  
■ केशव महाराज नाबाद 20  
■ लुंगी एनगाडी पाबाद कूलदीप 01  
■ ओटीनील बार्टमैन बो कृष्णा 03

भारत

271/1 (39.5 ओवर)

■ यशस्वी जयसवाल नाबाद 116  
■ रोहित का ब्रीटजके बो महाराज 75  
■ विराट कोहली नाबाद 65  
गेंदबाजी: यानसेन 8-1-39-0, एनगाडी 6.5-0-56-0, महाराज 10-0-44-1, वार्टमैन 7-0-60-0, बोश 6-0-53-0, मारक्रम 2-0-17-0

रोहित शर्मा के 20,000 रन पूरे

रोहित ने 14 ओवर में महाराज के खिलाफ एक रन तुरा 27 रन के रुकोपर पर पहुंचते ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट (तीनों प्रारूपों को मिला) में 20,000 रन पूरे किए। 1 वह महान सचिन राहुल (34357), विराट कोहली (27910) और राहुल द्रविड़ (24208) के बाद ऐसा करने वाले केवल चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं।

(24) के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। दक्षिण अफ्रीका 28वें ओवर तक दो विकेट पर 167 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रहा था लेकिन कृष्णा ने 29वें ओवर में ब्रीटजके और एडेन मारक्रम (एक) के रूप में दो विकेट लेकर भारत को वापसी करने के बाद डिकॉक को भी चलता किया। इसके बाद कुलदीप ने डेवाल्ड ब्रैविस (29), मार्कों यानसेन (17) और कोविंग बोश (नौ) जैसे आकाम्पक बल्लेबाजों को आउट कर कर्मचारी दूसरे विकेट के लिए एकमात्र लक्ष्य हासिल कर रहे थे। शेष विकेट में खिलाफ पारी का पहला चौके जड़ा तो वहीं जयसवाल ने यानसेन की गेंद पर चार रुकोपर कर हाथ खोले।



कुलदीप यादव।

## स्टार्क का बल्ले व गेंद से शानदार प्रदर्शन

एशेज सीरीज : तीसरा दिन



• ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 511 रन बनाकर जीत के करीब  
• इंग्लैंड दूसरी पारी में 134/6 रन बनाकर जूझ रहा

कराने के लिए 43 रन और बाबर ने होंगे। स्टार्क को पर्यंत में सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की। स्टार्क को एकमात्र के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की

गिल को पहले टी-20 में खेलने के लिए हरी झंडी



कटक : भारत की टी-20 टीम के उत्कृष्टान शुभमन गिल को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दी दी है।

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनका गर्दन में अकेले राहुल आगे गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। तब उनका गर्दन में अकेले राहुल आगे गई थी लेकिन अब उन्होंने सफलतापूर्वक रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है।

## जर्मनी के खिलाफ गलतियों से बचना होगा भारत को

चेन्नई, एजेंसी

अभी काम पूरा नहीं हुआ है: कोच श्रीजेश

चेन्नई : खिलाफ से दो जीत दूर भारतीय टीम को जर्मनी के खिलाफ जूनियर हॉकी विश्व का सेमीफाइनल से पहले मुख्य क्षेत्री पी और श्रीजेश से एक ही सलाह मिली है कि अभी काम पूरा नहीं हुआ है और अपने पैर जर्मनी पर रखने हैं। भारत ने आखिरी मिनट में गोल गंवाने के बाद शूटआउट तक खिलाफ जूनियल ऐंबेल्जम को 4-3 से हराया लेकिन दो बार के ओलिंपिक पदक दिलेते रहे। कांग श्रीजेश का कहना है कि सात बार की शैपियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की मालियों की ओर्जुनाइश नहीं होती। उन्होंने भासा के क्षेत्रीयम के खिलाफ पहले 45 मिनट एक गोल से पीछे रहना और फिर आखिरी एक मिनट में उन्हें बाबरी का गोल करने का मोका दिया। यह मुश्किल नहीं लग रहा था। आखिरी मिनट में बाबरी द्वारा गोल करने का मोका दिया। यह मुश्किल नहीं लग रहा था।

अंतिम चार में पहुंची जर्मनी के गलती से खिलाफ इस तरह की कोई भी चूक भारतीय शैपियन जर्मनी के खिलाफ इस तरह की मालियों की ओर्जुनाइश नहीं होती। जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलती से गोल गंवाने के बाद भारत को आखिरी एक मिनट में गोल गंवाना शूटआउट में बाबरी का गोल करने की ओर्जुनाइश नहीं होती। जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलती से गोल गंवाने के बाद भारत को आखिरी एक मिनट में गोल गंवाना शूटआउट में बाबरी का गोल करने की ओर्जुनाइश नहीं होती। जर्मनी के खिलाफ इस तरह की गलती से गोल गंवाने के बाद भारत को आखिरी एक मिनट में गोल गंवाना शूटआउट में बाबरी का गोल करने की ओर्जुनाइश नहीं होती। जर्मन